

नशेड़ी वि. (तत्.) नशेबाज, जिसे नशे की आदत पड़ चुकी हो, बिना नशा किए जिसे घैन न मिने।

नशेबाज पुं. (फा.) बराबर किसी नशे का सेवन करने वाला, जिसे नशे की आदत हो **वि.** जो स्वयं तो नशा करता ही हो, औरों को नशा खिलाने/पिलाने में जिसे आनंद मिलता हो।

नशेमन पुं. (फा.) 1. घोंसला, नीड़, आश्रय।

नशोहर वि. (तत्.) नाशक, नाश करने वाला।

नश् पुं. (तत्.) नाखून, नख।

नशतर पुं. (फा.) चिकि. चीर-फाड़ करने वाला चाकू जैसा तेज उपकरण, बहुत तेज छोटा चाकू जिसका अगला भाग नुकीला और टेढ़ा हो और दोनों ओर धार हो, जो फोड़े आदि की चीर फाड़ करने या घास खोदने में प्रयुक्त होता है **मुहा.** नशतर देना/लगाना- नशतर से फोड़ा या घाव चीरना; नशतर लगाना- फोड़े का चीरा जमाना।

नश्यत्प्रसूतिका स्त्री. (तत्.) वह स्त्री, जिसका बच्चा मर गया हो, मृतवत्सा।

नश्वर वि. (तत्.) 1. नष्ट हो जाने वाला, नष्ट होने योग्य, नाशशील, नाशधर्मी 2. हानिकर 3. हानि या नाश करने वाला विलो. शाश्वत।

नश्वरता स्त्री. (तत्.) नश्वर होने का भाव।

नषत पुं. (तत्.) दे. नक्षत्र।

नषसिष पुं. (तत्.) दे. नख-सिख/नख-शिख।

नषाना स.क्रि. (तत्.) नचाना, चलाना, घुमाना **प्रयो.** 'ताके आगे फेरि फेरि टटुबा नषाइ'।

नष्ट वि. (तत्.) 1. जो अदृश्य हो, दिखाई न दे 2. जिसका नाश हो गया हो, बरबाद हो गया हो, दुर्दशा 3. अधम, नीच, दुराचारी 4. निष्फल, व्यर्थ, खराब, चौपट 5. धनहीन, दरिद्र 6. पलायित 7. जो उपयोग के लायक न रह गया हो या जो व्यर्थ हो गया हो **यौ.** शब्द के आदि में प्रयुक्त यथा-नष्ट वीर्य, नष्ट प्राय।

नष्टक्रिय वि. (तत्.) कृतघ्न, जो कृतज्ञ न हो।

नष्ट चंद्र पुं. (तत्.) भाद्रपद के दोनों/या केवल शुक्ल पक्ष की चतुर्थी का चाँद जिसका दर्शन पुराणानुसार निषिद्ध है क्योंकि उससे कलंक या अपवाद लगता है।

नष्टचित्त वि. (तत्.) उन्मत्त, पागल।

नष्टचेतन पुं. (तत्.) अचेत, बेहोश, मूर्च्छित, बेखबर।

नष्टचेष्ट वि. (तत्.) जिसकी चेष्टा या गति नष्ट हो गई हो।

नष्टचेष्टता स्त्री. (तत्.) 1. मूर्छा, बेहोशी, बेखबरी 2. प्रलय 3. मूर्च्छा नामक सात्विक भाव।

नष्टजातक पुं. (तत्.) ज्यो. फलित ज्योतिष की वह क्रिया या उपाय जिसके द्वारा जन्म समय तिथि के अज्ञात रहने पर भी मनुष्य की जन्म कुंडली आदि बनाते हैं।

नष्टजन्मा पुं. (तत्.) 1. जारज, वर्ण संकर, दोगल।

नष्ट बीज वि. (तत्.) वह फसल जो न उगी हो, फलरहित खेती, जिसका बीज भी नष्ट हो गया हो।

नष्टभ्रष्ट वि. (तत्.) बरबाद, चौपट, जो किसी प्रकार उपयोग में न आ सके।

नष्टशुक्र वि. (तत्.) जिसका वीर्य नष्ट हो गया हो।

नष्टसंज्ञ वि. (तत्.) जिसकी संज्ञा नष्ट हो गई हो यानी बेहोश, मूर्च्छित, अचेत।

नष्टस्मृति वि. (तत्.) जिसकी स्मरण शक्ति या याददाश्त कमजोर या नष्ट हो गई हो।

नष्टता स्त्री. (तत्.) 1. नष्ट होने का भाव 2. वाहियातपन, दुराचारिता।

नष्टदृष्टि वि. (तत्.) जिसकी दृष्टि मारी गई हो या नष्ट हो गई हो, अंधा।